वीयू द्वारा राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख शोध संस्थान के सयुंक्त तत्वाधान में भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रवर्तक विषय पर व्याखान का सफल आयोजन

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के माननीय कुलपति प्रो. सीता प्रसाद तिवारी जी के मार्गदर्शन में कुलपति सभागार में द्वारा भारत राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख शोध संस्थान के सयुंक्त तत्वाधान में भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रवर्तक विषय पर व्याखान माला का सफल आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सभी अतिथियों द्वारा राष्ट्र ऋषि एवं सरस्वती जी के चित्रण पर माल्यार्पण किया गया, इसके बाद समस्त अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ ,शाल, श्रीफल तथा स्मृति चिन्ह देकर किया। अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम महाकौशल विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. आर. सी मिश्रा ने कहा कि नानाजी देशमुख जी ने कहा था, मैं अपने लिए नहीं अपनों के लिए हूं, अपने वे हैं जो पीड़ित एवं उपेक्षित है।

मंगलायातना विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. के. आर. एस. सदासिबा राव ने कहा कि नानाजी देशमुख ने गरीबी से परेशान युवाओं को स्वावलंबन एवं सभी समाज के वर्ग को एक सूत्र में जोड़ने के लिए एक पहल की। पूर्व कुलपति डॉ. कपिल देव मिश्र जी ने कहा कि भारतीय ज्ञान शिक्षा परम्परा को युवा पीढ़ियों को बताना पड़ेगा, तथा कौशल विकास से भी जोड़ा जा रहा हैं। जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. पी. के मिश्रा, नानाजी ने आत्म चिंतन कर अगली पीढ़ी को आत्म निर्भर बनाया, उनका चिंतन बहुत मजबूत था।

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलगुरू डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी ने नानाजी देशमुख के जीवन पर प्रकाश डाला, और कहा कि उन्होंने कृषि, पशुपालन, के क्षेत्र में अधिक काम किये। गांव के गरीबों का विकास करना और समाज का कल्याण किया,

इस अवसर पर अधिष्ठाता वेटरनरी कॉलेज डॉक्टर आर.के शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ.आदित्य मिश्रा, डॉ. बी रॉय, डॉ जी. पी. लखानी, डॉ. पूनम शाक्य, डॉ. सुदिप्ता घोष, अस्सिटेंट रजिस्टार डॉ. रामकिंकर मिश्रा, डॉ. निधी भलावी, नवयुग कॉलेज प्राचार्य संजय तिवारी एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन नानाजी देशमुख शोध संस्थान के सचिव डॉ. आशीष तथा आभार प्रदर्शन डायरेक्टर बायोटेक्नोलॉजी डॉ. ए.पी. सिंह द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर